**भास्कर एक्सक्लूसिव** • छत्तीसगढ़ में पहली बार बन रही दो बड़ी नदियों को जोड़े जाने की योजना

# इंद्रावती से महानदी को जोड़ेगी 131 किमी लंबी नहर, इससे बस्तर को बाढ़ के खतरे से निजात, महासमुंद में धान में जान

अश्विनी पांडेय | रायपुर

छत्तीसगढ़ में पहली बार दो बड़ी नदियों को आपस में जोड़ने की योजना बन रही है। इंद्रावती को महानदी से जोड़ने के लिए 131 किमी लंबी नहर का प्रस्ताव तैयार किया गया है। अगर ये दोनों नदियां आपस में जुड़ गईं, तो बस्तर में बाढ़ की समस्या से निजात मिल जाएगी। इसके साथ ही महानदी में पानी बढ़ने से गरियाबंद, महासमुंद और रायपुर जैसी जगहों पर धान की खेती को बल मिलेगा। इसका प्रस्ताव जल संसाधन मंत्री केदार कश्यप ने केंद्र से साझा भी कर लिया है। हाल ही में दिल्ली दौरे के दौरान उन्होंने केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल से इस योजना के बारे में बताया। केंद्र से स्वीकृति मिलते ही इसकी डीपीआर का काम शुरू हो जाएगा। इसमें कई सौ करोड़ रुपए का खर्च आएगा। इसकी मांग केंद्र सरकार से की गई है।

## भास्कर लाया नदी जोड़ो ड्राफ्ट: चित्रकोट से कांकेर तक आएगी नहर

नदी को जोड़ने के लिए जो ड्राफ्ट तैयार किया गया है, उसे दैनिक भास्कर आपके सामने ला रहा है। ड्राफ्ट के मुताबिक बस्तर में चित्रकोट के पास से इंद्रावती से नहर शुरू होगी। यहां से बीजापुर, नारायपुर, कोंडागांव, केशकाल, कांकेर होते हुए महानदी से जोड़ा जाएगा। 131 किमी के इस रास्ते में कई जगहों पर पहाड़ों से होकर इसे गुजरना होगा। महानदी में मिलने के बाद दो दिशाएं गरियाबंद और बालोद की ओर चली जाएगी।

### योजना क्यों: नदियों को जोड़ने से 50% जल इस्तेमाल कर पाएंगे

बारिश में इंद्रावती में उफान से कई बार बीजापुर, दंतेवाड़ा, जगदलपुर के कई क्षेत्रों में बाढ़ के हालात होते हैं। इंद्रावती का 15% पानी ही उपयोग हो पाता है। बाकी दूसरे राज्यों में बह जाता है। गर्मी में महानदी का बड़ा हिस्सा सूख जाता है।

### क्या करेंगे: महानदी पर बनेगा सिरपुर बैराज, सिंगल लेन होगा

आरंग के पास महानदी पर बैराज बनाने की तैयारी है। मोहमेला सिरपुर बैराज चिखली गांव में सिंगल लेन हाई लेवल ब्रिज के रूप में बनेगा। ये बालौदाबाजार के पलारी को सिरपुर व महासमुंद के तुमगांव को जोड़ेगा।

*इंद्रावती से महानदी को जोड़ने की योजना बनी है। इसके लिए सर्वे का काम पहले किया जाएगा। इसके बाद डीपीआर तैयार होगी। केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजा जा चुका है।* **-केदार कश्यप,** जल संसाधन मंत्री

nwda.gov.in